चुनावी फतह से चालीस प्रतिशत विधायक करोड़पति

वार्ता/नई दिल्ली

पांच राज्यों में हुए विधान सभा चुनावों के नतीजों से एक बार फिर साबित हो गया कि धन और बाहुबल चुनावी प्रक्रिया को काफी हद तक प्रभवित करते हैं।

इस बार चुनावी मैदान फतह करने वाले 40 प्रतिशत विधायक करोड़पति हैं जबकि कम से कम 20 प्रतिशत आपराधिक पृष्ठभूमि के हैं। न्यू इलेक्शन वाच कम्पेन के तहत एसोसिएशन फार डेमोक्रेटिक रिफॉर्मस (एडीआर) द्वारा किए गए अध्ययन में यह बात सामने आई है। दिल्ली, राजस्थान. मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ एवं मिजोरम में कुल 628 सीटों के लिए हुए चुनाव में 125 सीटें बाहुबलियों को प्राप्त हुई हैं जबकि 248 सीटें करोड़पतियों के कब्जे में आई हैं। मध्य प्रदेश के 54, राजस्थान के 30 और छत्तीसगढ के 11 बाहुबली विधायकों ने चुनावी जंग पर कब्जा किया है। दिलचस्प बात है कि मिजोरम में चुनाव मैदान में उतरे आपराधिक पृष्ठभूमि के तीनों उम्मीदवारों ने जीत हासिल की है। दिल्ली में कांग्रेस के आपराधिक पृष्ठभूमि के 59 और भारतीय जनता पार्टी के 49 विधायकों ने चुनाव जीता है। इस बार कुछ नए विधायक चुन कर आए हैं जिन पर हत्या, हत्या का प्रयास, जबरन उगाही, धांधली, महिलाओं पर हमला आदि जैसे गंभीर आरोप हैं। इनमें से 13 मध्य प्रदेश के, 09 राजस्थान के, छह दिल्ली के, चार छत्तीसगढ़ के और तीन मिजोरम के हैं। इस बार के विधान सभा चुनावों में 40 प्रतिशत सीटों पर फतह करने वाले 82 मध्य प्रदेश के, 85 राजस्थान के, 46 दिल्ली के, 23 छत्तीसगढ़ के एवं 12 मिजोरम के करोड़पति हैं।